Syllabus and Course Scheme

Academic year 2024-25

BA – Sanskrit
Exam.-2025

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

तृतीय वर्ष संस्कृत – 2024

प्रथम प्रश्न पत्र – भारतीय धर्म एवं दर्शन

समय 3 घंटे　　　　न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36　　　　पूर्णांक –100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक पश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

वि"ोशः– प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14, 15 के निर्माण के समय, भारतीय दर्शन के सिद्वान्त, श्रीमद्भगवद् गीता और मनुस्मृति में से प्रत्येक पर एक–एक प्रश्न का निर्माण करे।

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच ईकाइयों में विभाजित होगा –

1. तर्क संग्रह – अन्नं भट्ट
2. श्रीमद्भगवदगीता (द्वितीय अध्याय)
3. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)
4. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)
5. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त

   भारतीय दर्शन के निम्नलिखित बिन्दुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाऐंगे।

   (अ) भारतीय दर्शन की विशेषताएँ　　(ब) सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद
   (स) योग दर्शन का ईश्वरवाद　　(द) अद्वैत वेदान्त का मायावाद
   (य) न्याय वैशेषिक में मोक्ष का स्वरूप　　(र) वैशेषिक दर्शन का परमाणुवाद
   (ल) पूर्वमीमांसा में धर्मस्वरूप　　(व) चार्वाक की प्रमाण मीमांसा
   (ह) बौद्ध दर्शन का शून्यवाद　　(च) जैन दर्शन में अनेकान्तवाद

खण्ड–(ब)

इकाई–1 तर्कसंग्रह के दो खण्डों में से एक की संस्कृत व्याख्या।
इकाई–2 गीता के दो श्लोको में से एक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या।
इकाई–3 सुन्दरकाण्ड (अध्याय 15) दो श्लोको में से एक की हिन्दी में व्याख्या।
इकाई–4 मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) दो श्लोको में से एक की हिन्दी में व्याख्या।
इकाई–4 भारतीय द" ान से सम्बन्धित दो सामान्य प्र" नों में से एक का उत्तर।

खण्ड (स)

प्रश्न संख्या 12 का विभाजन इस प्रकार होगा–

(अ) तर्क संग्रह में से ही 2 में से 1 की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या

(ब) गीता (द्वितीय अध्याय) में से दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या

छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तके –

1. तर्क संग्रह– आचार्य भाषराज " ार्मा
2. तर्क संग्रह– डॉ. चन्द्र भाखर द्विवेदी
3. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. विश्वनाथ भार्मा
4. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
5. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
6. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. राकेभा भाास्त्री
7. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)–प्रो. श्यामलाल भार्मा
8. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)– डॉ. इन्द्रारानी गुप्ता
9. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)– डॉ. हिमा गुप्ता
10. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)– डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
11. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)– डॉ. प्रभाकर भाास्त्री
12. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)– डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
13. भारतीय दशन के सिद्धान्त– डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
14. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त– डॉ. बलदेव उपाध्याय
15. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त– डॉ. रामप्रकाच्च सारस्वत

द्वितीय प्रश्न पत्र – काव्य, गद्य, व्याकरण एवं निबन्ध

समय 3 घंटे　　　　　　　　न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36　　　　　　　पूर्णांक –100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक पश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना हागा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

वि"ोशः– प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14, 15 के निर्माण के समय किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), विश्रुतचरितम् एवं नीतिशतकम् में से प्रत्येक पर एक–एक प्रश्न का निर्माण करे।

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – महाकाव्य – किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय – गद्यकाव्य – विश्रुतचरितम्
3. इकाई तृतीय – नीतिकाव्य – नोतिशतकम्
4. इकाई चतुर्थ – व्याकरण – (तिङन्त एवं वाच्यपरिवर्तन)
5. इकाई पंचम – निबन्ध

निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) से दो श्लोको में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या।

इकाई द्वितीय– विश्रुतचरितम् से दो गद्यांशों में से एक गद्यांश की हिन्दी व्याख्या ।

इकाई तृतीय– नीतिशतकम् से दो श्लोकों में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या ।

इकाई चतुर्थ– 10 वाक्यों में से पॉच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन ।

इकाई पंचम– संस्कृत निबन्ध रचना (जिनके विषय निम्न प्रकार है)

कालिदासः, बाणः, भारविः, भारतीय–संस्कृतः, संस्कृत–भाषायाः महत्त्व, परोपकारः, सत्संगतिः, परिश्रमः विद्यायाः महत्वम्, स्त्री–शिक्षा, पर्यावरणस्य महत्वम, पर्यावरणप्रदूषण समस्या समाधानं च, राष्ट्रनिर्माणे यूना योगदानम्, अभिनवजनसंचा

खण्ड 'स'

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। लघु सिद्वान्त कौमुदी–तिङन्त प्रकरण
(भू, एध्, अद्, हु, दिव्, षुञ, तुद्, रुध्, तन्, डुकृञ एवं चुर् धातुओं की लट्, लृट्, लोट्, लङ् और विधिलिङ लकारों में रूप सिद्वि)
(अ) निर्धारित धातुओं के निर्धारित लकारों मे से चार धातु रूपों की रूप सिद्वि
अंक–10 (4×2.5)
(ब) पाठ्यक्रम में निर्धारित सूत्रा में से चार सूत्रों की व्याख्या **अंक–10** (4×2.5)
छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तके –

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डा.विश्वनाथ शर्मा
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. राके" ा भाास्त्री
4. विश्रुतचरितम – डॉ. विश्वनाथ भार्मा
5. नीतिशतकम् – डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
6. नीतिशतकम् – डॉ. राकेश " ाास्त्री
7. नीतिशतकम् – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. पुष्कर दत्त भार्मा
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
10. संस्कृत निबंध कलिका – प्रो. रामजी उपाध्याय
11. निबंध ॅतकम् – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
12. संस्कृत निबंध निकुंज – डॉ. वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी

द्वितीय वष
ज्योतिष एवं वास्तु
प्रथम प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. कुण्डली विचार

20

1. द्वादश भावों की संज्ञा व भावों के नाम और उनसे विचारणीय विषय
2. भाव व राशि में भेद
3. भावों के कारक ग्रह

ख. फलित विचार

30

1. राशियों के स्वरूप, कारकत्व, प्रकृति, गुणधर्म एवं विचारणीय विषय
2. ग्रहों की प्रकृति, स्वरूप, कारकत्व, गुणधर्म एवं विचारणीय विषय
3. ग्रहों की दृष्टि, उच्च–नीच–मूल त्रिकोणादि विचार
4. ग्रहों की नैसर्गिक, तात्कालिक व पंचधा मैत्री

ग. कुण्डली फलित

50

1. द्वादश लग्न फल
2. ग्रहों के राशि व भाव फल, भावेश फल, ग्रहों का युति फल
3. बालारिष्ट व बालारिष्ट परिहार
   आयु विचार

द्वितीय प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. ग्रह एवं भाव बल साधन

30

ख. लघु पाराशरी अध्ययन

40

1. संज्ञाध्याय
2. योगाध्याय
3. मारकाध्याय
4. दशालाध्याय
5. मिश्रकाध्याय

ग. विविध योग 30

1. नाभस योग
2. पंच महापुरूष योग

3. अन्य विविध योग

——

संदर्भ पुस्तकें :लघु जातकम्, सुगम ज्योतिष प्रवेशिका, सचित्र ज्योतिष शिक्षा – प्रारंभिक ज्ञान खण्ड एवं फलित खण्ड द्वितीय भाग, षडबल रहस्य – ले. कृष्णकुमार, लघु पाराशरी सिद्धांत – ले. मेजर एस.जी. खोत

तृतीय वर्ष
ज्योतिष एवं वास्तु
प्रथम प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. वास्तु प्रकरण 100

1. वास्तु परिभाषा, वास्तु स्वरूप परिचय
2. भूमि का महत्व, परीक्षण एवं भूखण्डों का परिचय
3. विविध कक्षों के निर्माण की दिशा, विविध व्यक्तियों हेतु गृहों का परिमाप, वीथी व विन्यास
4. वास्तु चक्र का ज्ञान, वास्तु पुरूष के मर्म स्थानों का ज्ञान
5. 32 दरवाजों के नाम वफल, द्वारवेध व उपद्रव फल
6. व्यवसायिक वास्तु, बहुमंजिला वास्तु
7. वास्तु दोषों का परिचय एवं परिहार
8. आयादि षडवर्ग का प्रायोगिक ज्ञान, भवन की आयु का ज्ञान
9. मुहूर्त चिंतामणी का वास्तु प्रकरण एवं गृह प्रवेश प्रकरण

द्वितीय प्रश्न पत्र पाठ्यक्रम व अंक योजना

क. मुहूर्त 50

1. नक्षत्रों के स्वामी व उनकी संज्ञायें तथा उनमें किये जाने वाले कार्य
2. यात्रा मुहूर्त
3. विवाह मुहूर्त, मांगलिक दोष विचार व परिहार, अष्टकूट मेलापक
4. क्रय विक्रय मुहूर्त, औषधि सेवन मुहूर्त, देव प्रतिष्ठा मुहूर्त, ऋण लेन–देन मुहूर्त
5. अन्य उपयोगी मुहूर्त (संस्कार जन्य, नौकरी जोइन आदि)

ख. प्रश्न विचार 50

1. प्रथम – द्वितीय – तृतीयादि प्रश्नों की समाधान विधि
2. कार्यसिद्धि प्रश्न, प्रवासी प्रश्न, विवाह प्रश्न, नौकरी व व्यवसाय प्रश्न, संतान प्रश्न
3. जय पराजय प्रश्न, रोगी विषयक प्रश्न, नष्ट वस्तु प्राप्ति प्रश्न

——

संदर्भ पुस्तकें :वास्तु रत्नाकर, वास्तु माला, भवन भास्कर, मुहूर्त चिंतामणि, षटपंचाषिका, प्रश्न मार्ग